विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा 2

कक्षा :बारहवीं

विषय: हिंदी — अधिकतम अंक□ 80

दिनांक : 27□09□2019 — निर्धारित समय□ 3 घंटे

सामान्य निर्देश□

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं क□ख□ग।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंडों के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है– आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है।कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की कलकल तक।मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक।अमूमन ऐसा होता नहीं।सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं।बस बोलना चाहते हैं।हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे।हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है।एक मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं□वहां बच्चों में सही गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है□क्योंकि ज़्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फंसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक□दोनों ही स्थितियों में हम दूसरे की न सुन□बस हावी होने की कोशिश करते हैं।खुद ज़्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से ज़ाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज़्यादा सोचते हैं और दूसरे के बारे में कम।ज़्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की संख्या ज़्यादा होती है।अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं□तो आप अपने दोस्तों से ज़्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं □तो दुश्मन से कम बोलें।अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूज़वेल्ट अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और उस दौरान उनकी बातें ज़्यादा सुनने की कोशिश करते।वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।इसका लाभ यह मिला कि ज़्यादातर अमरीकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते और दुख में दुखी होने लगे थे।

(क) अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है□ **(2)**

(ख) अधिक बोलने वाले अभिभावकों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों□ **(2)**

(ग) अधिक बोलना किन बातों का सूचक है□ **(2)**

(घ) हम सुनना ही नहीं चाहते हैं□ समझाइए। **(2)**

(ङ) राष्ट्रपति रूज़वेल्ट की लोकप्रियता में वृद्धि के कारणों का उल्लेख कीजिए। **(2)**

(च) अधिक बोलना विरोधाभासी किस तरह हो जाता है□समझाइए। **(1)**

(छ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

यादें होती हैं गहरी नदी में उठी भंवर की तरह
नसों में उतरती कड़वी दवा की तरह
या खुद के भीतर छिपे बैठे सांप की तरह
जो औचक्के में देख लिया करता है
यादें होती हैं जानलेवा खुशबू की तरह
प्राणों के स्थान पर बैठे जानी दुश्मन की तरह
शरीर में धंसे□उस कांटे की तरह
जो कभी नहीं दिखता
पर जब□ तब अपनी सत्ता का

भरपूर एहसास दिलाता रहता है
यादों पर कुछ भी कहना
खुद को कठघरे में खड़ा करना है
पर कहना ज़रूरत नहीं मेरी मजबूरी है।

(क) यादों को गहरी नदी में उठी भंवर की तरह क्यों कहा गया है ? (1)

(ख) शरीर में धंसे काँच से यादों का साम्य कैसे बिठाया जा सकता है? (1)

(ग) यादों पर कुछ भी कहना खुद को कठघरे में खड़ा करना है। कवि के इस कथन से क्या आप सहमत हैं? समझाइए। (1)

(घ) काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80 100 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए – (5)

(क) बगीचे के कोने में लगा टूटा

(ख) आईना

(ग) मुख्य द्वार पर रखा पायदान

(घ) गुलदस्ता

4. अपराधी तत्त्वों के राजनीति में आने से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संपादक (5)
राजस्थान पत्रिका अहमदाबाद गुजरात को पत्र लिखिए।

अथवा

विद्यालय में होने वाली चित्र प्रतियोगिता के संबंध में एक बैठक होने वाली है। इसके लिए एक कार्य सूची तैयार कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 1 4 4

(क) विशेष रिपोर्ट के लेखन में किन बातों का ध्यान दिया जाता है?

(ख) संपादकीय से आप क्या समझते हैं?

(ग) प्रिंट माध्यमों की दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं?

6. कविता का पहला उपकरण किसे माना गया है? कारण सहित स्पष्ट करें। (3)

अथवा

कहानी को प्रामाणित और रोचक बनाने के लिए कहानीकार को किर्न किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है?

अथवा

एक सशक्त नाटक एक कमजोर नाटक से कैसे अलग होता है?

7. 'विश्व का बढ़ता तापमान' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए । (3)

अथवा

'आदत, जो छूटती नहीं .....' विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए ।

अथवा

अपने शहर से संबंधित 'उल्टा पिरामिड शैली' में एक समाचार लिखिए।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2 3 (6)

बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में

ज़रा टेढ़ी फस गई।
उसे पाने की कोशिश में
भाषा को उलटा पलटा
तोड़ा मरोड़ा
घुमाया फिराया
कि बात या तो बने
या फिर भाषा से बाहर आए–
लेकिन इससे भाषा के साथ साथ
बात और भी पेचीदा होती चली गई।

(क) कवि अपनी बात के बारे में क्या बताते हैं?

(ख) कवि ने बात को पाने के लिए क्या क्या किया?

(ग) कवि के अनुसार कोई बात पेचीदा कब और कैसे हो जाती है?

अथवा

हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम समर्थ शक्तिमान
हम एक दुर्बल को लाएँगे
एक बंद कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज हैं?
आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा
देता है?
कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा
हाँ तो बताइए आपका दुख क्या है
जल्दी बताइए वह दुख बताइए
बता नहीं पाएगा

(क) 'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे' में आए 'हम' शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ख) प्रश्न पूछने वाला अपने उद्देश्य में कितना सफल हो पाता है और क्यों?

(ग) प्रश्नकर्ता कैमेरे वाले को क्या निर्देश देता है और इससे उनकी किस मानसिकता का बोध होता है?

9. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश पर आधारित काव्य सौंदर्य बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **2×2** (4)

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उड़ेलता हूँ, प्याला भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है?

(क) भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) इन पंक्तियों की भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने?

(क) काव्यांश के कथ्य के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) इन पंक्तियों के भावगत सौंदर्य पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **3×2** (6)

(क) 'उषा' कविता में कवि ने आसमान के लिए सर्वथा नवीन उपमानों का प्रयोग किया है। कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रशंसा का व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है? 'बात सीधी थी पर...' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ग) 'सहर्ष स्वीकारा है मैंने' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

11. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **2×3** (6)

इन बातों को आज पचास से ज़्यादा बरस होने को आए पर ज्यों का त्यों मन पर दर्ज हैं। कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए क्या करते हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल प्यासे के प्यासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?

(क) लेखक के मन में क्या बातें कचोटती हैं और क्यों?

(ख) गगरी और बैल का उल्लेख कर लेखक हमारा ध्यान किस ओर आकृष्ट कर रहे हैं?

(ग) भ्रष्टाचार की बातें करते समय हमें किस बात पर विशेष गौर करने की आवश्यकता है?

अथवा

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुखार हटाने का गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे।

(क) ढोलक की आवाज़ से किसे राहत मिलती थी और क्यों?

(ख) 'दंगल के दृश्य' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

(ग) पहलवान की ढोलक की आवाज़ लोगों में संजीवनी शक्ति भरती थी। सिद्ध कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (3×3)+(1×1) (10)

(क) चार्ली के जीवन पर बचपन की किन घटनाओं का गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ा? समझाइए।

(ख) नमक की पुड़िया के संबंध में साफ़िया के मन में जो द्वंद्व था और उसने जो समाधान निकाला क्या आप उससे सहमत हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) कभी-कभी बाज़ार में आवश्यकता ही शोषण का रूप धारण कर लेती है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(घ) गाँव की पगडंडी पर महादेवी के पीछे भक्तिन के चलने का कारण बताइए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए – (4)

(क) 'जूझ' कहानी में आपको किस पात्र ने सबसे अधिक प्रभावित किया और क्यों? उसकी चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) ऐतिहासिक महत्त्व और पुरातात्विक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण स्थानों पर कुछ समस्याएँ उठ खड़ी होती हैं जो इनके अस्तित्व के लिए खतरा है। ऐसी किन्हीं दो समस्याओं का उल्लेख करते हुए उनके निवारण के उपाय भी सुझाइए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (4×2) (8)

(क) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

(ख) सामान्यतया लोग अपने बच्चों की आकर्षक आय पर गर्व करते हैं, पर यशोधर बाबू ऐसी आय को गलत मानते हैं। आपके विचार से इसके क्या कारण हो सकते हैं? ऐसे में गजोधर बाबू को क्या करना चाहिए था?

(ग) लेखक के दादा का पढ़ाई के प्रति जो दृष्टिकोण था उसे आप कितना उपयुक्त मानते हैं? ऐसे लोगों के दृष्टिकोण में बदलाव लाने के लिए आप क्या-क्या प्रयास करेंगे?